Roll No. ..... Total Pages: 04

1410

LL.B. (First Year) EXAMINATION, 2019

PROFESSIONAL ETHICS AND PRO AC. SYS.

Paper – IX

Time: Three Hours

Maximum Marks: 80

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 5×4=20]*

Answer all questions in Part - A (150 words each).

All questions carry equal marks.

***खण्ड – अ** में से सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 150 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 4×15=60]*

Answer four questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – A / खण्ड– अ

Q.1 Explain the importance of having a good case theory in advocacy.

अधिवक्तृता में सटीक केस सिद्धान्त सुलभ होने के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

Q.2 Explain the importance of Legal Aid for healthy democracy.

स्वस्थ प्रजातंत्र के लिए विधिक सहायता का महत्व समझाइए।

Q.3 What is the importance of Voluntary Organization in legal aid?

विधिक सहायता में स्वैच्छिक संगठनों का क्या महत्व है?

Q.4 Explain the meaning of Civil Contempt of Court.

सिविल (दीवानी) अवमान के अर्थ को समझाइये।

Q.5 Mention the persons who are entitled for the legal services under the Legal Services Authority Act, 1987.

विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के अन्तर्गत व्यक्ति जो विधिक सेवाओं के हकदार होते हैं, उनका वर्णन कीजिए।

PART – B / खण्ड – ब

Q.6 "Court and Counsel are the two wheels of chariot of justice. In the adversarial system, it will be more appropriate to say that while the judge holds the reigns, the two opponent counsels are the wheels of chariot, while the direction of the movement is controlled by the judge holding the reign, the movement itself is felicitated by the wheels without which the chariot of justice may not move and may even collapse." Discuss this statement in the light of the statutory duties of an Advocate to his client, to the court, to the opponent.

"न्यायालय और कांउसेल न्याय के रथ के दो पहिये हैं। विरोधात्मक प्रणाली में, यह कहना अधिक समीचीन होगा कि जहां न्यायाधीश के हाथ में लगाम है, दो विरोधी कांउसेल रथ के पहिये है, जहां गति की दिशा लगााम थाम रहे न्यायाधीश द्वारा नियंत्रित की जाती है, गति को पहियों द्वारा साधा जाता है जिसके बिना हो सकता है कि न्याय का रथ आगे न बढ़े तथा गिर भी पड़े।" इस कथन का विवेचन अधिवक्ता का अपने मुवक्किल के प्रति, न्यायालय के प्रति, विरोधी के प्रति कानूनी कर्त्तव्यों को प्रकाश में रखते हुए कीजिए।

OR/अथवा

(a) Whether an Advocate has a lien on the files entrusted to him by the client? Discuss the law laid down by the Supreme Court in this regard.

क्या अधिवक्ता का, मुवक्किल द्वारा उसको सौंपी गई फाइलों पर धारणाधिकार होता है? इस बारे में उच्चतम न्यायालय द्वारा अधिकथित विधि का विवेचन कीजिए।

(b) Enumerate the Rights of an advocate. Can an advocate personally engage himself in any business?

अधिवक्ता के अधिकारों का उल्लेख कीजिए। क्या अधिवक्ता वैयक्तिक रूप से किसी कारोबार में रत हो सकता है?

Q.7 Explain in brief the provision relating to legal aid as incorporated in Constitution of India.

भारतीय संविधान में दिये गये विधिक सहायता संबंधी प्रावधानों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

OR/अथवा

Discuss the object and importance of "Legal Aid Clinic" established in law schools.

विधि विद्यालयों में स्थापित "विधिक सहायता क्लिनिक" के उद्धेश्य एवं महत्वता पर चर्चा कीजिए।

Q.8 What are the functions of National Legal Services Authority? Discuss.

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के क्या कार्य हैं? चर्चा कीजिए।

OR/अथवा

Briefly discuss the constitution and functions of District Legal Authority.

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के गठन तथा उसके कार्यो की संक्षेप में विवेचना कीजिये।

Q.9 Discuss any 2 opinions of the Disciplinary Committees of Bar Council of India.

भारत के बार काउंसिल की अनुशासनात्मक समिति के किन्हीं भी दो अभिमत की चर्चा कीजिए।

OR/अथवा

Discuss any 1 of the leading cases which are prescribed in your syllabus?

आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रमुख वादों में से किसी भी एक वाद की विवेचना कीजिये।